अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2013) | दिनांक 21.12.2013

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्नपत्र | पूर्णांक – 100

नव पदार्थ : आस्त्रव, संवर – 50

प्र.1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 20

(आस्त्रव : किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(क) मैथुन संज्ञा किसे कहते हैं? (ख) प्रेक्षा असंयम किसे कहा जाता है?

(ग) शुक्ल ध्यान की परिभाषा लिखें?

(घ) बीस आश्रव में से कितने आश्रव एकांत सावद्य हैं?

(ड.) अदत्तादान किसे कहते हैं? (च)किस कर्म के उदय से पुण्य कर्मों का बंध होता है?

(छ) संज्ञा किसे कहते हैं?

(ज) उत्तराध्ययन के आधार पर आश्रव द्वार को रोकने वाले कितने व कौन–कौन से सूत्र हैं?

(झ) अनाभोगिक मिथ्यात्व किसे कहते हैं?

(संवर : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(ञ) विरति संवर किसे कहते हैं? (ट) भाषा समिति से आप क्या समझते हैं?

(ठ) सामायिक चारित्र किसे कहते हैं? (ड) अलाभ परिषह की परिभाषा लिखें।

(ढ़) प्रज्ञा परिषह किसे कहते हैं?

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 10

(क) जीव सकंप है अथवा निष्कंप?

(ख) आश्रवों में स्वाभाविक रूप कितने व क्रिया रूप कितने व क्यों?

(ग) संवर पदार्थ है प्रमाणित करें। (घ) संवर प्रवर्त्तक क्यों नहीं हो सकता?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें – 20

(क) मिथ्यात्व आश्रव तथा योग आश्रव मोहनीय कर्म के उदय से निष्पन्न जीव परिणाम किस प्रकार है?

(ख) शुभ योग ही संवर है, तथा शुभ योग ही सामायिक आदि पाँचों चारित्र है, इस संदर्भ में आचार्य भिक्षु के अभिमत को स्पष्ट करें।

(ग) सामायिक आदि पाँच संयतों के संयम–स्थानक तथा चारित्र–पर्यव कितने हैं?

(घ) अनुप्रेक्षा किसे कहते हैं? उसके भेदों का वर्णन करें?

अवबोध : मनुष्यगति से शील धर्म – 30

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक या दो लाईन में लिखें – 8

(क) तीर्थंकर चक्रवर्ती आदि तिरेसठ शलाका पुरुष कहाँ होते हैं?

(ख) अकर्म भूमि के मनुष्य मरकर कहाँ जाते हैं?

(ग) मनुष्य में निर्जरा के कितने भेद पाते हैं?

(घ) तिर्यंच में क्या क्षायक सम्यक्त्व हो सकती है?

(ड) एक शरीर में उत्पन्न होने वाले अनंत जीव क्या एक साथ जन्म मरण करते हैं?

(च) संभोग और संयोग में क्या अंतर है?

(छ) सातों पृथ्वियाँ शाश्वत हैं या अशाश्वत?

(ज) नरकायुबंध के कितने कारण हैं?

(झ) पाँच ज्ञान में प्रत्यक्ष व परोक्ष कितने हैं?

(ञ) क्या सम्यक्त्वी परीत संसारी होता है?

(ट) सुपात्र की कसौटी क्या है?

प्र.5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 12

(क) ब्रह्मचारी मरकर कहाँ जाता है?

(ख) चंदा आदि देना क्या है?

(ग) क्या चारित्र की प्राप्ति तीर्थ स्थापना के बाद होती है?

(घ) क्या सम्यक्त्वी के अकाम निर्जरा होती है?

(ङ) समूर्च्छिम मनुष्य का क्या स्वरूप है?

(च) तिर्यंच श्रावक क्या बारहव्रती होते हैं?

(छ) परमाधार्मिक देवता के कितने प्रकार हैं?

(ज) जातिस्मरण ज्ञान क्या स्वतंत्र ज्ञान नहीं है?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) बाड़ व कोट किसे कहते हैं?

(ख) अवधिज्ञान का क्षेत्र कितना है?

(ग) श्रुतज्ञान के कितने प्रकार हैं?

(घ) चारित्र कौन से क्षेत्र में होता है?

श्रावक संबोध – 20

प्र.7 कोई चार पद्य लिखें – 12

(क) स्थावर की सीमा बताने वाला पद्य लिखें।

(ख) आर्य भिक्षु ने किस दिशा में कदम बढ़ाया, वह यहाँ लिखें।

(ग) ''महनीय.....प्रातः प्रत्यालोचें'' वाला पद्य लिखें।

(घ) मिश्री मोहन की मूर्ति वाला पद्य लिखें।

(ड.) बिना प्रत्याख्यान श्रावक भूमि में आगे कैसे जा सकेगा, वह पद्य लिखें।

(च) ''शरच्चन्द्र समुज्ज्वला'' वाला पद्य लिखें।

प्र.8 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 8

(क) ''कर्माकर्षक आत्मपरिणामः आश्रव'' का अर्थ लिखें।

(ख) श्रावक के जीवन में कौन सी तीन विशेषताएँ होती हैं?

(ग) आचार्य तुलसी ने (त्रिवेणी) गंगा, यमुना व सरस्वती को किस उपमा से उपमित किया है?

(घ) सम्यक आजीविका सिद्धांत के अनुसार कौन से तीन व्यवसाय मुख्य रूप से त्याज्य हैं?

(ङ) हिंसा के अल्पीकरण के चार प्रयोग कौन–कौन से हैं?